

**SUSHANT UNIVERSITY ORGANIZED INTERNATIONAL CONFERENCE ON
“ADVANCES IN MULTIDISCIPLINARY RESEARCH AND INNOVATION” ICAMRI-2023**
ON 28-29TH OCTOBER 2023

INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
July-December 2023, Submitted in October 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048



Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 = 6.753

योग, ध्यान और नैतिक शिक्षा के माध्यम से संवेगात्मक बुद्धि का विकास

रत्ना शर्मा, (पी-एच.डी. शोध छात्रा), शिक्षा विभाग, मंगलायतन विश्वविद्यालय, अलीगढ़
डॉ० कविता शर्मा, शोध निर्देशिका, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, मंगलायतन विश्वविद्यालय, अलीगढ़

शोध सार

संवेगात्मक बुद्धिएक महत्वपूर्ण गुण है जो व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है। योग, ध्यान, और नैतिक शिक्षा संवेगात्मक बुद्धि के विकास में सहायक हो सकते हैं। योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जिसमें शारीरिक आसन, प्राणायाम (श्वास नियंत्रण), और ध्यान शामिल होते हैं। योग के नियमित अभ्यास से शरीर और मन में सामंजस्य स्थापित होता है, जिससे आत्म-जागरूकता और आत्म-नियंत्रण में वृद्धि होती है। यह हमें अपने भावनाओं को पहचानने और नियंत्रित करने की क्षमता प्रदान करता है। योग के माध्यम से हम तनाव को कम कर सकते हैं, जो हमारी संवेगात्मक बुद्धि को बेहतर बनाता है। ध्यान (मेडिटेशन) मानसिक शांति और स्पष्टता प्राप्त करने की एक विधि है। ध्यान के अभ्यास से मन की अशांति और तनाव कम होते हैं, जिससे हमारी मानसिक स्थिति स्थिर होती है। यह आत्म-चिंतन और आत्म-समझ को बढ़ावा देता है, जिससे हमारी सहानुभूति और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं पर नियंत्रण बढ़ता है। नियमित ध्यान अभ्यास से हमारा आत्म-नियंत्रण और मानसिक स्थिरता बढ़ती है, जो संवेगात्मक बुद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नैतिक शिक्षा हमें जीवन में सही और गलत के बीच भेदभाव करने की क्षमता प्रदान करती है। नैतिक शिक्षा से हम सहानुभूति, करुणा, और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास कर सकते हैं। यह हमें दूसरों के दृष्टिकोण को समझने और उनके भावनात्मक स्थिति का सम्मान करने की क्षमता प्रदान करती है। नैतिक शिक्षा के माध्यम से हम नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों को आत्मसात करते हैं, जो हमारी संवेगात्मक बुद्धि को समृद्ध करते हैं।

इन तीनों तत्वों का समन्वय संवेगात्मक बुद्धि के विकास के लिए अत्यंत प्रभावी है। योग, ध्यान, और नैतिक शिक्षा हमें आत्म-चिंतन, आत्म-नियंत्रण, सहानुभूति, और सामाजिक कौशल में सुधार करने में मदद करते हैं। इनसे हमें न केवल व्यक्तिगत लाभ होता है, बल्कि हमारे सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में भी सफलता प्राप्त होती है। इस प्रकार, योग, ध्यान, और नैतिक शिक्षा के माध्यम से संवेगात्मक बुद्धि का विकास हमारे संपूर्ण विकास के लिए अनिवार्य है।

